# महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र
चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश –२७३१६५
# Mahayogi Gorakhnath Krishi Vigyan Kendra
Peppeganj, Gorakhpur- 273165 (UP)

**Dr. Vivek Pratap Singh**
**Subject Matter Specialist- Animal Science**


## नवजात बछड़ी की देखभाल

**स्वर्णिम कालः** नवजात बछिया के सम्पूर्ण जीवन के लिए उसका पहला एक घंटा (प्रसव के बाद) सबसे निर्णायक होता है

**याद रखने योग्य बातेंः**

- बछड़ी के नाक व मुह को साफ तौलिये से अच्छे तरीके से साफ करें। इससे उसे अच्छी तरह से साँस लेने व भविष्य में साँस की तकलीफ से बचने में मदद मिलती है
- प्रसव के तुरंत बाद बछड़ी को माँ द्वारा चाटने देना चाहिए। इससे बछड़ी के शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है और वह खड़े होने तथा चलने हेतु तैयार हो जाती है।
- नाभिनाल को आधार से 5 सेमी. की दूरी पर कीटाणुरहित धागे से बाधना चाहिए और बाकी नाल को कीटाणु रहित कैची से काटकर अलग कर देना चाहिए।
- नाभी को 7: टिन्चर आयोडीन के घोल में डूबना चाहिए और 12 घंटे बाद दुहराना चाहिए। नाभि को डूबाने के लिए हल्के आयोडीन घोल का इस्तेमाल न करे। गलत तरीके से नाभि का रख रखाव करने पर गंभीर संक्रमण हो जाता है।
- एक नवजात बछड़ी के जन्म के पहले 2 घंटे के अन्दर 2 लीटर खीस या बोहली तथा 12 घंटे के अंदर 1 से 2 ली. वजन के अनुसार खीस पिलाना चाहिए।
- कई बछड़ी अपनी माँ से पर्याप्त मात्र खीस जन्म के कुछ घंटे बाद तक नही लेती और इस तरह वे पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता ग्रहण नही कर पाते।
- जन्म के 24 घंटो के बाद खीस पिलाना बछड़ी को संक्रमण से दूर रखने में मदद नही करता है।
- बछड़ी को उसके जीवन के प्रथम 3 महीने तक बीमारियों से बचाव हेतु पर्याप्त मात्र में खीस पिलाना चाहिए। खीस बछड़ी का "जीवन पार पत्र" है।
- हाथ से खीस पिलानाः यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसान एक बछड़ी को कितना खीस पिलाता है। नवजात बछड़ी को खीस हाथ से पिलाने कि विधि की अनुशंसा की जाती है।
- प्रथम कृमिनाशक दवा 10 से 14 दिनों के भीतर देना चाहिए। उसके बाद बछड़ी को हर महीने में एक बार 6 माह तक कृमिनाशक देना चाहिए।
- जब बछड़ी 3 माह की हो जाये तब पशु चिकित्सक से टीकाकरण करवा लेना चाहिए।
- अच्छी बृद्धि व जल्द वयस्कता हेतु 1 से 8 सप्ताह तक काफ–स्टार्टर बछड़ी को देना चाहिए।

**काफ–स्टार्टर का उदाहरणः**

**मक्का–52% सोयाबीन खाली–20% जौ–20% शीरा–5% नमक–0.5% खनिज मिश्रण–1.5% विटामिन– 1.0%**

चाटने से बछड़ी खड़े होने हेतु प्रेरित होती है

**नाभि को 7% टिंन्चर आयोडीन में डुबाना उसके संक्रमण को रोकने के लिए अति महत्वपूर्ण है**

नवजात बछड़ी को जितनी जल्दी हो सके खीस पिलाना चाहिए

पर्याप्त खीस बछड़ी को मिले इसलिए बोतल से खीस पिलाना चाहिए


Mobile : 07651922058, 09415745095
e-mail: vpslpm@gmail.com vpsbhu@rediffmail.com